Journal of Science Engineering Technology and Management Science *ISSN: 3049-0952*
Volume 03, Issue 03(S), March 2026 *www.jsetms.com*

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में संबंधित संस्थानों में शोध, नवाचार, उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र

डॉ. निधि मिश्रा
सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य
सेठ आर सी एस कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति(NEP) 2020 भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में अनुसंधान नवाचार एवं उधमशीलता को सुदृढ़ करने की एक दूरदर्शी पहल है। यह शोध पत्र NEP अनुरूप शैक्षिक संस्थानों में विकसित हो रहे अनुसंधान एवं उधमाशीलता पारिस्थितिकी तंत्र का विश्लेषण करता है। इसमें नीति के उद्देश्य, संरचनात्मक सुधार, संस्थागत रणनीतियां, चुनौतियां तथा संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया है। अध्ययन यह स्पष्ट करता है, कि NEP 2020 किस प्रकार बहुविषयक शिक्षा उद्योग - शैक्षणिक सहयोग और नवाचार संस्कृति के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार खोजने वाले से रोजगार सृजक बनने के लिए प्रेरित करती है । इस अध्ययन का उद्देश्य विश्वविद्यालय में उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का विश्लेषण करना है। यह शोध गुणात्मक दृष्टिकोण और खोजपूर्ण शोध पद्धति का उपयोग करता है। डेटा स्रोत गहन साक्षात्कार, अवलोकन और शोध के विषय से संबंधित दस्तावेजों के माध्यम से प्राप्त किए गए थे। अध्ययन के परिणाम दर्शाते हैं कि विश्वविद्यालयों में नए उद्यमियों के विकास में सहायक उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र के कई घटक हैं, जिनमें व्यावसायिक इनक्यूबेटर केंद्र, उद्यमिता केंद्रों की स्थापना, स्वतंत्र उद्यमिता कार्यक्रम, प्रभावकारी उद्यमिता कार्यक्रम, छात्रों का उद्यमशीलता विकास और उद्यमिता को प्राथमिकता देना शामिल हैं। विश्वविद्यालयों में उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए कई रणनीतियाँ लागू की गई हैं, जिनमें पाठ्यक्रम नीतियाँ, व्याख्याताओं की गुणवत्ता में सुधार, अनुसंधान कार्यों को गति देना, अन्य संस्थानों के साथ सहयोग और सर्वोत्तम उद्यमिता प्रदान करना शामिल हैं। हालांकि, इनमें से कुछ घटकों की भूमिका अभी भी इष्टतम नहीं है, जैसे: पाठ्यक्रम का अनुप्रयोग, व्यावसायिक इनक्यूबेटर केंद्रों की भूमिका, संकायों के बीच सहयोग और बैंकिंग संस्थानों के साथ सहयोग।

Key word

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुसंधान एवं नवाचार उच्च शिक्षा संस्थान स्टार्टअप संस्कृति आत्मनिर्भर भारत, बहुविषयक शिक्षा।

प्रस्तावना

वर्तमान वैश्विक अर्थव्यवस्था ज्ञान नवाचार और उधमशीलता पर आधारित है। ऐसे में किसी भी राष्ट्र के सतत विकास के लिए मजबूत अनुसंधान एवं नवाचार तंत्र अनिवार्य है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत की शिक्षा व्यवस्था को अनुसंधान उन्मुख नवाचार प्रेरित और उधमशीलता समर्थ बनाने का स्पष्ट लक्ष्य रखा है। यह नीति पारंपरिक रटन शिक्षा प्रणाली से हटकर रचनात्मक सोच, आलोचनात्मक विश्लेषण और व्यावहारिक समाधान पर बल देती है ।

NEP 2020 का अनुसंधान एवं नवाचार संबंधी दृष्टिकोण -

NEP 2020 अनुसंधान एवं नवाचार को उच्च शिक्षा का केंद्रीय तत्व मानती है। इसके प्रमुख बिंदु निम्नलिखित है -

1. उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान विश्वविद्यालय की स्थापना।
2. बहु विषयक अनुसंधान को बढ़ावा।
3. राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठा की स्थापना।
4. शैक्षणिक संस्थानों में उद्यमशीलता और स्टार्ट - अप संस्कृति का विकास।
5. शोध एवं नवाचार को पाठ्यक्रम का अभिन्न भाग बनाना।

NEP - अनुरूप संस्थानों में नवाचार एवं उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र के घटक -

1. पाठ्यक्रम शिक्षण पद्धति
   - परियोजना आधारित अधिगम।
   - डिजाइन थिंकिंग एवं समस्या समाधान पर आधारित अध्ययन।
   - उद्योग इंटर्नशिप एवं शोध परियोजनाओं को क्रेडिट से जोड़ना ।
2. अनुसंधान और संरचना
   - आधुनिक प्रयोगशालाएं एवं डिजिटल संसाधन।
   - संकाय सदस्यों के लिए शोध प्रोत्साहन ।
   - पी एच डी में पोस्ट डॉक्टरल अनुसंधान का विस्तार ।
3. उएमायन केंद्र (Incubation centres)
   - संस्थान स्तर पर इन्क्यूवेशन एवं एक्सीलरेटर केंद्र ।
   - स्टार्ट - अप हेतु मेंटरशिप, सीड फंडिंग एवं नेटवर्किंग।
   - छात्र एवं संकाय स्टार्ट - अप को प्रोत्साहन।

उद्योग - शैक्षणिक सहयोग

- उद्योगों के साथ समझौता का ज्ञापन (MOU)।
- संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं।
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में व्यवसाय कारण ।

सरकारी योजनाएं एवं वित्तीय समर्थन

- अटल नवाचार मिशन (AIM)
- स्टार्ट-अप इंडिया।
- आत्मनिर्भरता भारत पहल ।

क्रियान्वयन रणनीतियां

NEP के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निम्न उपाय आवश्यक है -

- प्रत्येक संस्थान में Institutional innovation council (iic)
- हैकाथान, नवाचार मेले एवं स्टार्ट-अप प्रतियोगिताएं।

- स्नातक स्तर से ही स्रोत परियोजनाओं को बढ़ावा।
- शिक्षकों का निरंतर कौशल विकास ।

प्रमुख चुनौतियां

- अनुसंधान हेतु सीमित वित्तीय संसाधन ।
- पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों से परिवर्तन में कठिनाई ।
- प्रशिक्षित उद्यमशील मैटर्स की कमी ।
- ग्रामीण एवं दूरस्थ संस्थानों में उद्योग संपर्क का अभाव।

विश्लेषण एवं चर्चा

NEP 2020 के अंतर्गत विकसित नवाचार पारिस्थितिकी भारत को वैश्विक ज्ञान, अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धी बन सकती है। यदि संस्थान नीति के उद्देश्यों को गंभीरता से अपनाएं तो यह नीति रोजगार सृजन, स्टार्ट-अप विकास और अनुसंधान गुणवत्ता में क्रांतिकारी सुधार ला सकती है ।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमशीलता के केंद्र में परिवर्तन करने की क्षमता रखती है। NEP अनुरूप संस्थानों में विकसित नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र देश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। नीति की सफलता इसके प्रभावी क्रियान्वयन, संस्थागत प्रतिबद्धता एवं निरंतर मूल्यांकन पर निर्भर करती है।

संदर्भ

भारत सरकार 2020 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार

Ministry of education government of India Innovation and startup reports

Atal innovation (AIM), NITI Aayog Report.

Etzkowitz H (2003) Enterpreneuridl Univeesity and Innovation.

Audretsch,D.B (2004) Enterpreneurshipand innovation systems.